अभ्यास

सोचो और बताओ- (मौखिक)

प्र०(क) खेल के मैदान में आए दिन क्या घटनाएँ होती रहती थीं?

उ० खेल के मैदान में आए दिन धक्का-मुक्की और मारधाड़ की घटनाएँ होती रहती थीं।

प्र०(ख) मेजर ध्यानचंद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

उ० मेजर ध्यानचंद का जन्म सन् 1905 ई० में प्रयाग (इलाहाबाद) में हुआ था।

प्र०(ग) ध्यानचंद को टीम का कप्तान कब बनाया गया?

उ० ध्यानचंद को टीम का कप्तान सन् 1936 में बर्लिन ओलंपिक में बनाया गया।

प्र०(घ) उस समय ध्यानचंद सेना में किस पद पर तैनात थे?

उ० उस समय ध्यानचंद सेना में लॉस नायक के पद पर तैनात थे।

प्र०(ङ) ध्यानचंद की हमेशा क्या कोशिश रहती थी?

उ० ध्यानचंद की हमेशा यही कोशिश रहती थी कि गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने किसी साथी खिलाड़ी को दूँ ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए।

प्र०(च) प्रख्यात खिलाड़ी ध्यानचंद से हिटलर कब और क्यों प्रभावित हुआ?

उ० प्रख्यात खिलाड़ी ध्यानचंद से हिटलर सन् 1936 में प्रभावित हुआ क्योंकि ध्यानचंद की खेल भावना ने हिटलर का दिल जीत लिया था।

लिखित-

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्र०(क) लेखक किस समय की घटना सुनाता है?

उ० लेखक 1933 की घटना सुनाता है, जब वह पंजाब रेजीमेंट की ओर से खेला करता था।

प्र०(ख) किस टीम के खिलाड़ी ने लेखक के सिर पर हॉकी दे मारी?

उ० सैपर्स एण्ड माइनर्स टीम के खिलाड़ी ने लेखक के सिर पर हॉकी दे मारी थी।

प्र०(ग) वह खिलाड़ी एकदम क्यों घबरा गया था?

उ० वह खिलाड़ी एकदम इसलिए घबरा गया था क्योंकि ध्यानचंद ने उसकी पीठ पर पर हाथ रखकर यह कह दिया था, "तुम चिंता मत करो, मैं इसका बदला ज़रूर लूँगा।"

प्र०(घ) उस मैच में लेखक ने कितने गोल किए थे?

उ० उस मैच में लेखक ने छः गोल किए थे।

प्र०(ङ) 'हॉकी का जादूगर' किसे कहा जाता है?

उ० 'हॉकी का जादूगर' श्री ध्यानचंद को कहा जाता है।

प्र०(च) हिटलर ने अपने अधिकारी से क्या कहा था?

उ० हिटलर ने अपने अधिकारी से कहा था कि "उससे कहो कि वह जर्मनी में आ जाए, मैं उसे मार्शल बना दूँगा।"

Scanned with CamScanner

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

उ० (क) हमारे देश का राष्ट्रीय खेल हॉकी [✓] है।

(ख) प्राचीनकालीन यूनान की देन ओलंपिक [✓] खेल है।

(ग) 776 ई० पू० से सन् 393 ई० तक इन खेलों का आयोजन हर चार वर्षों के बाद यूनान में होता रहा है, इन्हीं चार वर्षों के अंतराल को ओलंपियाड [✓] कहा जाता है।

(घ) सन् 1928 से सन् 1956 तक भारत की हॉकी टीम ने लगातार विजय [✓] प्राप्त की।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उ० (क) मेजर ध्यानचंद अपनी अद्‌भुत खेल प्रतिभा के लिए नहीं अपितु उच्चतम खेल भावना के लिए भी प्रसिद्‌ध थे।

(ख) बर्लिन ओलंपिक में हमें स्वर्ण पदक मिला।

(ग) खेल भावना के कारण ही ध्यानचंद ने हिटलर का दिल जीत लिया था।

(घ) सन् 2002 में, ध्यानचंद अवार्ड शुरू किया गया।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

उ० शब्द	वाक्य
कोशिश	हमें कोशिश करके अच्छे काम करने चाहिए।
शर्मिंदा	हम कोई ऐसा काम न करें जिससे शर्मिंदा होना पड़े।
सफलता	कर्मठता ही सफलता की कुंजी है।
जादूगर	ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता है।
रेजीमेंट	ध्यानचंद 1933 में पंजाब रेजीमेंट की ओर से खेलते थे।

आओ भाषा सीखें-

1. पाठ से ढूँढ़कर पाँच विशेषण शब्द लिखो-

उ० दिलचस्प, छः, 72, नौसिखिया, स्वर्ण।

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

उ० शब्द		विलोम	शब्द		विलोम
जीवन	×	मरण	अभ्यास	×	अनभ्यास
अच्छाई	×	बुराई	प्रभावित	×	अप्रभावित
सफलता	×	असफलता	हार	×	जीत
साधारण	×	असाधारण	प्रमुख	×	सामान्य, गौंड़
निश्चित	×	अनिश्चित	सहयोग	×	असहयोग

Scanned with CamScanner

करो और सीखो-

1. भारत का हॉकी में हमेशा गौरवशाली इतिहास रहा है। हॉकी के खेल को और बढ़ाने के लिए क्या किया जाना चाहिए? आप अपने विचार व्यक्त करो-

उ० हॉकी हमारे देश का राष्ट्रीय खेल है। मेजर ध्यानचंद ने सन् 1928 से सन् 1956 तक लगातार विजय प्राप्त कर गौरवशाली इतिहास दिया है जो सदा स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। इस समय वही भारत है, वही भारतीय खिलाड़ी हैं? फिर प्रश्न स्वाभाविक हो जाता है कि अब हम हॉकी में विजय क्यों नहीं प्राप्त कर पाते हैं?

यदि हम चाहते हैं कि हॉकी का वही गौरवशाली इतिहास पुनः वापस आ जाए तो हमें कुछ बातों पर ध्यान देना होगा।

1. एक तो महत्त्वपूर्ण यह है कि टीम के चयन में किसी भी प्रकार की राजनीति आड़े नहीं आनी चाहिए। जो सर्वश्रेष्ठ हो, उसी का चयन होना चाहिए। हमें तो टीम की विजय में देश की विजय देखनी चाहिए।
2. खिलाड़ियों को समुचित प्रोत्साहन भी दिया जाना चाहिए। हमें भेद-भाव से ऊपर उठकर प्रोत्साहन में एकरूपता दिखानी चाहिए। यदि खिलाड़ी को प्रोत्साहित किया जा रहा है तो वह भी खेलभावना के अनुरूप ही होना चाहिए।
3. खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करनी चाहिए, जो कि प्रत्येक खिलाड़ी की आवश्यकता होती है।

2. हॉकी खेल से संबंधित सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखो।

उ० सेवा में,

प्रधानाचार्य
(विद्यालय का नाम)

विषय- हॉकी खेलने के लिए सामान उपलब्ध कराने हेतु निवेदन।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि आपने हम विद्यार्थियों के लिए बहुत सुंदर क्रीड़ा-क्षेत्र की व्यवस्था कर दी है। हमलोग वहाँ हॉकी खेलना चाहते हैं। कृपया उसके लिए निम्नांकित सामग्री की व्यवस्था करने की अनुकंपा कीजिए। इसके लिए हम सभी छात्र आपके आभारी होंगे।

1. हॉकी स्टिक (दो दर्जन)
2. हॉकी के लिए बाल - 2
3. पैड - 4
4. हैलमेट - 2

आपके आज्ञाकारी शिष्य
कक्षा 10 के विद्यार्थी
दिनांक .....

Scanned with CamScanner